धर्म निरपेक्ष आंदोलन - कुछ कार्य

अलग-अलग आंदोलनों की प्रवृत्ति के कारण प्रत्येक संघर्षशील क्षेत्र अपने-अपने अधिकारों के लिए प्रयास कर रहा है। दलितों द्वारा संघर्ष का यह कमजोर तरीका है। इससे एक उदार माहौल बन सकता है। जिसमें ये घिरे हुए और अलग-थलग पड़े संघर्ष और आंदोलन अपने-अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए खुद सक्षम हो जाते हैं। लेकिन हिंदुत्व एक ऐसा सामाजिक माहौल बना रहा है जिसमें इन संघर्षों को ठीक से चलाना मुश्किल हो जाएगा। इसके रास्ते में पहले ही बहुत रुकावटें आ रही हैं। ये सभी आंदोलन सत्तावाद विरोधी हैं। अपनी अलग सामाजिक कार्यसूचियों के बावजूद वे सत्तावाद विरोध के आधार पर इकट्ठे होकर हिंदुत्व का मुकाबला कर सकते हैं। विभिन्न संघर्षों की वैयक्तिक आकांक्षाओं को दबाए और बगैर सामान्य मंच फासीवादी हिंदुत्व को अपना लक्ष्य बना सकता है। और समाज के बड़े हिस्से के धर्म-निरपेक्ष लोकतांत्रिक अधिकारों को बल दे सकता है। यह मंच धर्म-निरपेक्ष लोकतांत्रिक लोकाचार का आधार बनकर हिंदुत्व के आघात का मुकाबला कर सकता है और आगे चलकर उसे उसकी सही जगह अर्थात् कचरे की टोकरी तक पहुंचा सकता है।

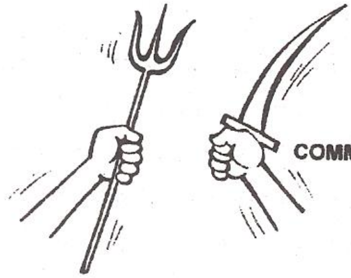

COMMUNAL ACTION सांप्रदायिक कार्यवाही

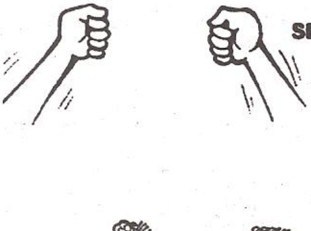

SECULAR ACTION धर्मनिरपेक्ष कार्यवाही

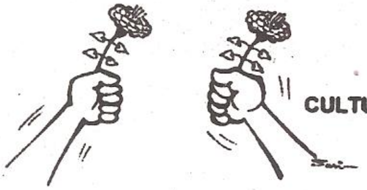

CULTURAL ACTION सांस्कृतिक कार्यवाही